Date
24/04/2020

Subject - New Efforts in Elementary Edu. D.El.Ed. 2nd sem.

Unit - 2nd

Topic - स्वतन्त्रता के पूर्व शिक्षा की संक्षिप्त जानकारी

भारत प्रारम्भ से ही विदेशियों के आकर्षण का केन्द्र रहा है। 15 वीं शताब्दी के अन्त 1498 में पूर्तगाली नाविक वास्कोडिगामा ने यूरोप से भारत आने के समुद्री जलमार्ग की खोज की। परिणामत: सन 1510 मे पूर्तगालियो ने भारत मे प्रवेश किया। 100 वर्ष तक उनका व्यापार पर एकछत्र राज्य रहा 17 वीं शताब्दी के प्रारम्भ मे 1613 मे यहाँ अंग्रेज व्यापारियो का प्रवेश हुआ।

* सन 1200 से 1700 तक मुस्लिम शासक व इस्लाम धर्म का वर्चस्व
* सन 1700 से आज तक के युग को आधुनिक युग कहते है।
* ईस्ट इण्डिया कम्पनी काल 1700 से 1857 तक
* ब्रिटिश काल 1857 से 1947 तक
* स्वतन्त्रता काल 1947 से आज तक

(सन 1556-1662)

1. पूर्तगाली ईसाई मिशनरियो के शैक्षिक कार्य :-

सन 1556 में पूर्तगालियो ने यहां एक प्रिन्टिंग प्रेस खोला। सन 1575 मे गोवा मे जैसूट कालेज की स्थापना की।

P.T.O.

जैसूट कॉलेज से प्रभावित होकर बादशाह अकबर ने भी आगरा मे जैसूट कालेज की स्थापना की।
परन्तु जब पुर्तगालियों ने दिल्ली पर अधिकार करना चाहा तो उन्हे सन 1662 मे मार भगाया गया।

2. डच ईसाई मिशनरियो के शैक्षिक कार्य :-

17 वीं शताब्दी के मध्य मे भारत मे हालैण्ड निवासी डच व्यापारियों ने प्रवेश किया। इन डच ईसाई मिशनरियो ने कारखानो मे काम करने वाले डच नागरिको और भारतीय नागरिको के बच्चो की शिक्षा के लिए प्रा० विद्यालयो की स्थापना की। परन्तु अंग्रेजो से शत्रुता हो जाने के कारण इन्हे शीघ्र ही भारत छोडना पड़ा।

3. फ्रांसीसी ईसाई मिशनरियों के शैक्षिक कार्य :-

सन 1667 मे भारत मे फ्रांसीसीयो ने प्रवेश किया। इन्होने पाण्डिचेरी मे एक माध्यमिक स्कूल की स्थापना भी की। परन्तु इनकी राजनैतिक आकांक्षाएं बढी अंग्रेजो ने इन्हे युद्ध मे हरा दिया। व भारत छोडने पर विवश कर दिया। इसके बाद इनकी संस्थाओ को अपने अनुकूल चलाया

4. डेन ईसाई मिशनरियो के शैक्षिक कार्य :-

शताब्दी के अन्त 1680 मे भारत मे डेन व्यापारी आये परिणामत: ये 50 हजार भारतीयो को ईसाई बनाने मे सफल हुए। ये व्यापार मे अधिक सफल नही हुए। और अन्त मे 1845 मे अपने सभी कारखाने अंग्रेजो को बेच स्वदेश लौट गए।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

5. अंग्रेज ईसाई मिशनरियों के शैक्षिक कार्य :-

सन 1613 मे देश मे ईस्ट इण्डिया कम्पनी ब्रिटेन का प्रवेश हुआ इससे पूर्व ईसाई मिशनरियो ने कलकत्ता, बम्बई, व मद्रास मे अनेक धर्मीय विद्यालयो की स्थापना की। इनमे दो प्रकार के विद्यालय थे। प्रथम मे अंग्रेजी भाषा एवं द्वितीय मे स्थानीय भाषाओं से शिक्षा दी जाती थी।

6. ईस्ट इण्डिया कम्पनी के प्रारम्भिक शैक्षिक कार्य :-

ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने अनेक कार्य किये जिनका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार दे सकते है।

(i) कलकत्ता :- मदरसा :- वारेन हेस्टिंग ने कलकत्ता के उच्च के निवेदन पर 1718 मे इस मदरसे की स्थापना की। जिसका उद्देश्य मुस्लिमो की सद्भावना प्राप्त करना व कम्पनी शासन के लिए मुस्लिम कर्मचारियो को तैयार करना।

(ii) बनारस संस्कृत कालेज :- इस कॉलेज की स्थापना बनारस के तत्कालीन रेजीडेन्ट जोनेथन डंकन ने 1791 मे की थी।

(iii) फोर्ट विलियम कॉलेज :- फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना भारत के तत्कालीन गर्वनर लार्ड वेलसन 1800 मे कलकत्ता मे की। यह कॉलेज हिन्दू एवं मुसलमान दोनो के लिए स्थापित किया गया था।

Continue - - -

Nidhi Tyagi
24/04/2020

Scanned with CamScanner